Endometriosis Clinical and Genetic Research in India (ECGRI)

डॉ. स्मिता महाले
आई.सी एम.आर-राष्ट्रीय प्रजनन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान मुंबई, भारत

प्रोफेसर ग्रांट मोंटगोमरी
द यूनिवर्सिटी ऑफ़ क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया

प्रोफेसर राजेश दीक्षित
सेंटर फॉर कैंसर एपिडेमिओलॉजी टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई, भारत

प्रोफेसर गीता मिश्रा
द यूनिवर्सिटी ऑफ क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया

डॉ. राहुल गजभिये
वैज्ञानिक डी एंड डीबीटी वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस क्लिनिकल एंड पब्लिक हेल्थ इंटरमीडिएट फेलो, आई.सी एम.आर-राष्ट्रीय प्रजनन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, मुंबई, भारत

डॉ. प्रमथेस दास महापात्रा
स्पेक्ट्रम क्लिनिक एंड एंडोस्कोपी रिसर्च इंस्टीट्यूट, शेक्सपियर सरानी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

डॉ. नीता वर्ती
संजीवनी एंडोस्कोपी सेंटर, कांदिवली, मुंबई, महाराष्ट्र

डॉ. प्रणय फुकन
पप्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, असम मेडिकल कॉलेज, डिब्रूगढ़, असम

डॉ. केदार पाटे
डॉ. केदार के मातृत्व, बांझपन और सर्जिकल अस्पताल, एंडोस्कोपी और आईवीएफ केंद्र, पणजी, गोवा

डॉ. विनीता दास
प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

डॉ. मुरलीधर वी पाई,
प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मणिपाल, कर्नाटक

डॉ. शशांक शेखर
प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, जोधपुर, राजस्थान

डॉ. बिमल जॉन
मिनिमली इनवेसिव सर्जरी यूनिट, क्रेडेंस हॉस्पिटल, त्रिवेंद्रम, केरल

डॉ. केतकी कुलकर्णी
नोवरोसी वाडिया मैटरनिटी हॉस्पिटल, परेल, मुंबई, महाराष्ट्र

डॉ. अनिल हुमने
प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, नागपुर, महाराष्ट्र

डॉ. नागेंद्र सरदेशपांडे
वर्ली हॉस्पिटल फॉर वुमेन, वर्ली, मुंबई, महाराष्ट्र

डॉ. निलजकुमार बागड़े,
प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, रायपुर, छत्तीसगढ़

National Endometriosis Clinical Database
National Endometriosis Genomic Database
National Endometriosis Biorepository

अपने डॉक्टर के साथ एक यात्रा अनुसूची

यदि आपको एंडोमेट्रियोसिस के संकेत देने वाला कोई भी लक्षण है, तो कृपया अपने स्त्री रोग विशेषज्ञ से परामर्श करें।

यदि एंडोमेट्रियोसिस का संदेह है, तो सर्जन एंडोमेट्रियोसिस का निदान करने के लिए लेप्रोस्कोपी (एक महत्वपूर्ण सर्जरी के दौरान , पेट में छेद करके एक छोटी पतली, हल्की ट्यूब डालते हैं) करेगा।

एंडोमेट्रियोसिस अनुसंधान के बारे में अधिक जानकारी के लिए, आप संपर्क कर सकते हैं।

डॉ. राहुल गजभिये
वैज्ञानिक डी एंड वेलकम ट्रस्ट डीबीटी इंडिया एलायंस क्लिनिकल एंड पब्लिक हेल्थ इंटरमीडिएट फेलो

पता: नैदानिक अनुसंधान विभाग, आईसीएमआर - प्रजनन स्वास्थ्य में अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय संस्थान, जहांगीर मेरवानजी स्ट्रीट, परेल, मुंबई – 400012
फ़ोन : +91 22 2419-2000 / 2166

ई-मेल : contact@ecgri.in
वेबसाइट : https://ecgri.in/
www.nirrh.res.in/scientist/rahul gajbhiye/
www.endometriosis.ca/about/ambassador/gajbhiye-rahul/

हमारा अनुसरण इस पर कीजिये:

https://twitter.com/icmrnirrh

https://www.facebook.com/ICMR-National-Institute-for-Research-in-Reproductive-Health-112408027010239/

आईसीएमआर- राष्ट्रीय प्रजनन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्था, मुंबई

★

डीबीटी वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस

★

एंडोमेट्रियोसिस सोसाइटी ऑफ इंडिया

महिलाओं का स्वास्थ्य

एंडोमेट्रियोसिस

“चुप्प बैठकें पीड़ित मत रहो”

icmr NIRRH
INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH
NATIONAL INSTITUTE FOR RESEARCH IN REPRODUCTIVE HEALTH

IndiaAlliance
DBT wellcome

मासिक धर्म

यौवन में बच्चे का धीरे-धीरे एक वयस्क में विकास होता है जो महिलाओं में 8 से 16 वर्ष की आयु से देखा जाता है।

महिलाओं के मासिक धर्म चक्र या 'पीरियड्स' होते हैं और मासिक धर्म चक्र की अवधि 25 - 30 दिनों की होती हैं औसत लंबाई 28 दिनों की पाई जाती है। महिला शरीर यौवन की उम्र से रजोनिवृत्ति (आमतौर पर 40 वर्ष और उससे अधिक) की उम्र तक हर महीने में इस घटना को प्रदर्शित करता है।

गर्भावस्था के दौरान, फलित अंडा एंडोमेट्रियम नामक गर्भाशय के अंदरूनी अस्तर से जुड़ा होता है हालांकि, गर्भावस्था की अनुपस्थिति में, एंडोमेट्रियल अस्तर टूट जाता है और योनि से रक्तस्राव होता है।

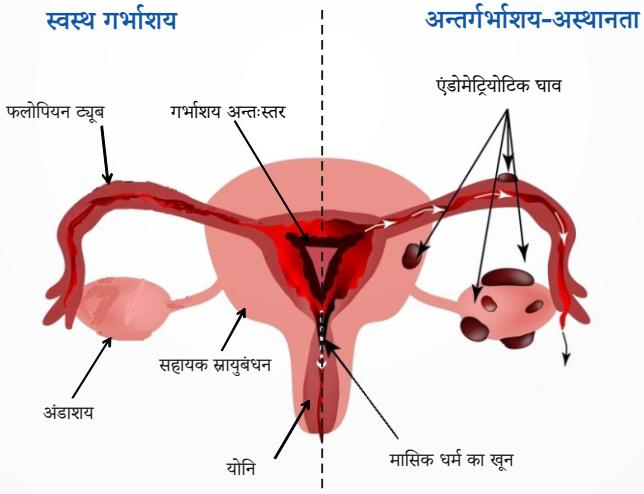

एंडोमेट्रियोसिस क्या है?

एंडोमेट्रियोसिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें उति जो गर्भाशय के अंदरूनी अस्तर *समान* हैं, ये फैलोपियन ट्यूब, अंडाशय, ऊतकों और गर्भाशय को सहारा देने वाले स्नायुबंधन (लिगामेंट) जैसे विभिन्न स्थानों पर बढ़ता है, लेकिन यह मूत्राशय, आंत्र और परिशिष्ट में भी फैल सकता है। (Johnson et. al., 2017)

एंडोमेट्रियोसिस में क्या होता है?

एंडोमेट्रियोटिक ऊतक जो गर्भाशय के बाहर बढ़ता है वह भी हर महीने पीरियड्स के दौरान खून बेहता है। इस रक्त को शरीर से बाहर निकलने के लिए कोई रास्ता नहीं है। इसलिए यह इन भागो में जमा होना शुरू हो जाता है और पड़ोसी ऊतकों को एक-दूसरे का पालन करने का कारण बनता है, जिसके परिणामस्वरूप गर्भाशय / पेल्विक क्षेत्र में अंगों की नुक़सान होता है।

एंडोमेट्रियोसिस कितना आम है?

एंडोमेट्रियोसिस किसी भी आबादी में प्रजनन आयु में लगभग 10% महिलाओं को प्रभावित करता है।

लक्षण

एंडोमेट्रियोसिस का कारण क्या हो सकता है

एंडोमेट्रियोसिस का सटीक कारण अभी तक ज्ञात नहीं है। एंडोमेट्रियोसिस के कारणों को समझने के लिए अध्ययन किए जा रहे हैं। एंडोमेट्रियोसिस के संभावित कारण निम्नलिखित हैं।

- **प्रजनन और मासिक धर्म कारक**
- **आनुवंशिकी, परिवार का इतिहास**
- **वातावरण**
- **बिगड़ा हुआ प्रतिरक्षा**

निदान

एंडोमेट्रियोसिस के निदान के लिए कोई सरल रक्त परीक्षण नहीं है। लेप्रोस्कोपिक सर्जरी हिस्टोलॉजिकल पुष्टि के साथ एंडोमेट्रियोसिस के निदान के लिए सोने का मानक है।

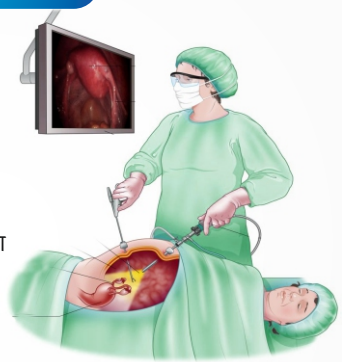

लेप्रोस्कोपी

एंडोमेट्रियोसिस का प्रबंधन

हालांकि कोई स्थायी इलाज नहीं है, लक्षणों से राहत पाने के लिए सर्जरी और / या दवाओं से महिलाओं को फायदा हो सकता है।

- **दर्द की दवा**
- **गर्भनिरोधक गोलियां / हार्मोन**
- **लेप्रोस्कोपी**

हालांकि, यह देखा गया है कि 5 में से 1 महिला में लक्षणों की पुनरावृत्ति हो सकती है।